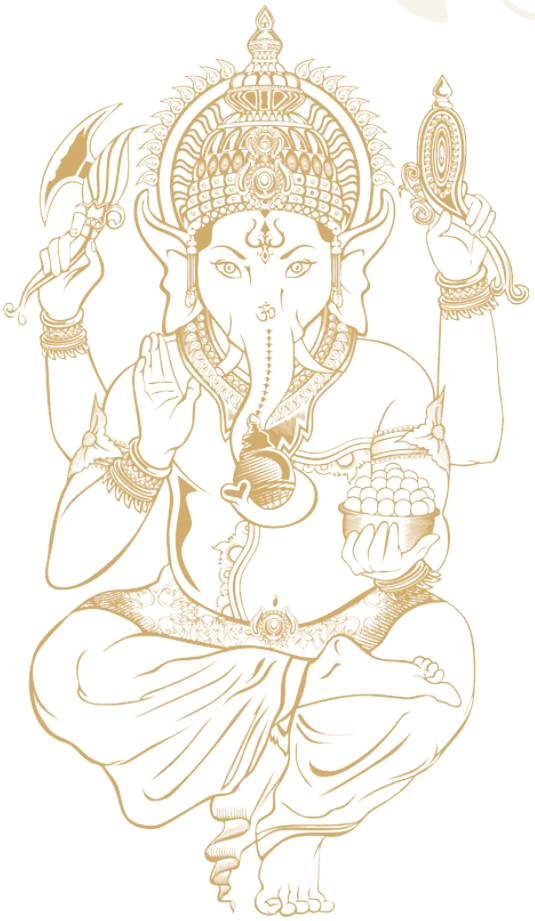

Mr.piyus

12 Jan 1994

01:13 AM

Bhilwara

Model: web-freekundliweb

Order No: 120175602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11-12/01/1994**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**01:13:00 घंटे**
इष्ट	44:44:30 घटी
स्थान	**Bhilwara**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:23:00 उत्तर
रेखांश	74:39:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:31:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:41:36 घंटे
वेलान्तर	-00:07:49 घंटे
साम्पातिक काल	08:05:55 घंटे
सूर्योदय	07:19:12 घंटे
सूर्यास्त	17:59:28 घंटे
दिनमान	10:40:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	27:35:21 धनु
लग्न के अंश	04:29:34 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	हर्षण
करण	नाग
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:29:34	320:07:00	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			धनु	27:35:21	01:01:09	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	25:47:53	13:28:38	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल		अ	धनु	23:34:33	00:46:09	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	मक	02:32:46	01:40:02	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु			तुला	17:31:51	00:07:55	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	26:19:53	01:15:29	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
शनि			कुंभ	04:18:43	00:06:19	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	08:16:27	00:07:45	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	08:16:27	00:07:45	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
हर्ष			धनु	28:26:23	00:03:34	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
नेप			धनु	27:05:28	00:02:17	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	03:36:48	00:01:37	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			कर्क	05:33:11	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:41

लग्न-चलित

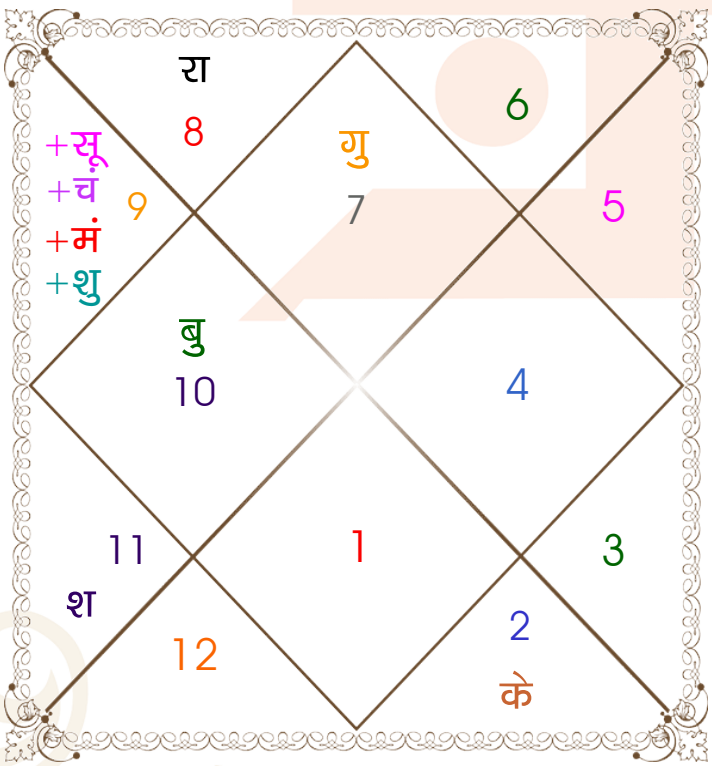

चन्द्र कुंडली

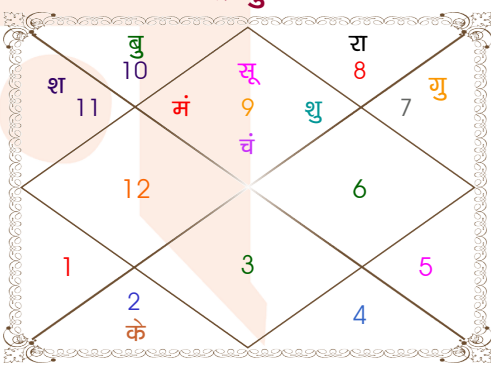

नवमांश कुंडली

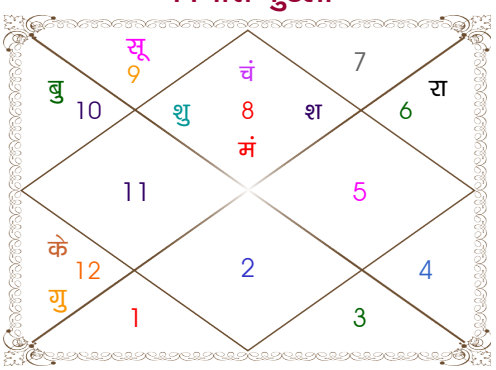

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 3 मास 19 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
12/01/1994		02/05/1995		02/05/2001		02/05/2011		02/05/2018	
02/05/1995		02/05/2001		02/05/2011		02/05/2018		02/05/2036	
	00/00/0000	सूर्य	20/08/1995	चंद्र	02/03/2002	मंगल	29/09/2011	राहु	12/01/2021
	00/00/0000	चंद्र	19/02/1996	मंगल	01/10/2002	राहु	16/10/2012	गुरु	08/06/2023
	00/00/0000	मंगल	25/06/1996	राहु	01/04/2004	गुरु	22/09/2013	शनि	14/04/2026
	00/00/0000	राहु	20/05/1997	गुरु	01/08/2005	शनि	01/11/2014	बुध	31/10/2028
	00/00/0000	गुरु	08/03/1998	शनि	03/03/2007	बुध	29/10/2015	केतु	19/11/2029
	00/00/0000	शनि	18/02/1999	बुध	01/08/2008	केतु	26/03/2016	शुक्र	19/11/2032
	12/01/1994	बुध	26/12/1999	केतु	02/03/2009	शुक्र	26/05/2017	सूर्य	13/10/2033
बुध	02/03/1994	केतु	02/05/2000	शुक्र	01/11/2010	सूर्य	01/10/2017	चंद्र	14/04/2035
केतु	02/05/1995	शुक्र	02/05/2001	सूर्य	02/05/2011	चंद्र	02/05/2018	मंगल	02/05/2036

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
02/05/2036		02/05/2052		02/05/2071		02/05/2088		02/05/2095	
02/05/2052		02/05/2071		02/05/2088		02/05/2095		00/00/0000	
गुरु	20/06/2038	शनि	05/05/2055	बुध	28/09/2073	केतु	28/09/2088	शुक्र	01/09/2098
शनि	31/12/2040	बुध	13/01/2058	केतु	25/09/2074	शुक्र	28/11/2089	सूर्य	01/09/2099
बुध	08/04/2043	केतु	21/02/2059	शुक्र	26/07/2077	सूर्य	05/04/2090	चंद्र	03/05/2101
केतु	14/03/2044	शुक्र	23/04/2062	सूर्य	02/06/2078	चंद्र	04/11/2090	मंगल	03/07/2102
शुक्र	13/11/2046	सूर्य	05/04/2063	चंद्र	01/11/2079	मंगल	02/04/2091	राहु	03/07/2105
सूर्य	01/09/2047	चंद्र	03/11/2064	मंगल	28/10/2080	राहु	19/04/2092	गुरु	03/03/2108
चंद्र	31/12/2048	मंगल	13/12/2065	राहु	18/05/2083	गुरु	26/03/2093	शनि	03/05/2111
मंगल	07/12/2049	राहु	19/10/2068	गुरु	23/08/2085	शनि	05/05/2094	बुध	13/01/2114
राहु	02/05/2052	गुरु	02/05/2071	शनि	02/05/2088	बुध	02/05/2095		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 3 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।